
आदर्श प्रश्न- पत्र - 2

संकलित परीक्षा - I

विषय - हिंदी 'अ'

कक्षा - नवमी

निर्धारित समय: 3 घण्टे

अधिकतम अंक: 90

निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं -
खंड क- 20 अंक
खंड ख- 15 अंक
खंड ग - 35 अंक
खंड घ - 20 अंक
 2. चारो खंडो के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
-

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए -

शुरु-शुरु में किसी व्यक्ति की जाति उसके धन्य से निर्धारित होती थी। क्योंकि पुत्र आमतौर पर अपने पिता का ही धंधा अपनाता था, इसलिए उसकी जाति अपने पिता की ही जाति होती थी। वेदों के समय में सब जातियाँ लोग आपस में मिलते-जुलते बातचीत करते थे, बातचीत करते थे और एक साथ खाना भी खाते थे। वे आपस में विवाह-शादी भी करते थे। कोई व्यक्ति अपनी जाति बदल भी सकता था। कोई दुकानदार योद्धा की शिक्षा ले सकता था और फिर क्षत्रिय जाति में प्रवेश पा सकता था। लेकिन आगे चलकर जाति संबंधी नियम बहुत बड़े हो गए। ब्राह्मण और क्षत्रिय अपने को शूद्रों से ऊँचा मानने लगे। फिर चारो जातियों में यह विचार आ गया कि कुछ लोगों को अपने से दूर ही रखना चाहिए- वे 'अछूत' कहलाए। जाति-पाँति और छुआछूत स्पष्टतः बुरी चीज़ें थी, क्योंकि इसके कारण कुछ लोग अपने को दूसरों से श्रेष्ठ समझने लगे थे। जाति-पाँति के कारण भारत के लोग खतरे के समय भी आपस में एक ना हो पाते थे। कई बार भारत को शत्रु के सामने घुटने टेकने पड़े क्योंकि भारत के लोग आपसी फूट के कारण कमजोर थे।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

(क) प्राचीन काल में व्यक्ति की जाति निर्धारण का आधार क्या था।

- (i) उसका जन्म स्थान
- (ii) उसकी पारिवारिक प्रतिष्ठा
- (iii) उसका पारिवारिक धंधा
- (iv) पारिवारिक गुरु का कुल

(ख) निम्नलिखित में से जाति व्यवस्था की पुरानी विशेषता कौन सी है

- (i) व्यक्ति अपनी जाति बदल सकता था
 - (ii) जातिगत व्यवस्था ऋषियों के नाम पर थी
-

(iii) सभी की अपनी-अपनी व्यवस्था थी

(iv) उपर्युक्त सभी

(ग) भारत के लोग खतरे के समय भी आपस में एक नहीं हो पाते थे क्योंकि-

(i) भारतीय कमजोर एवं डरपोक थे

(ii) तत्कालीन भारतीय समाज जाति-पाँति में बटा हुआ था

(iii) विदेशी आक्रांता अत्यंत शक्तिशाली थे

(iv) भारतीयों को एक होने का समय नहीं मिलता था

(घ) वैश्य क्षत्रिय जाति में प्रवेश पा सकता था कैसे?

(i) यज्ञ करके

(ii) दान देकर

(iii) योद्धा की शिक्षा लेकर

(iv) ऋशियों को रिश्वत देकर

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक निम्नलिखित में से कौन-सा होगा?

(i) प्राचीन सामाजिक व्यवस्था

(ii) प्राचीन जाति व्यवस्था

(iii) प्राचीन समाज

(iv) जाति-पाँति का दंश

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर खिए-

विद्यालयों में विद्यार्थियों के सतत और व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया लागू हो गई है। इससे पाठ्य पुस्तकों का बोझ और परीक्षा का तनाव कम करने का सरकार का मकसद किसी हद तक पूरा हो गया है। इस प्रक्रिया को अपनाने का प्रस्ताव राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद का था। पहले लिखित और प्रायोगिक परीक्षाओं के आधार पर मूल्यांकन का प्रावधान था। जबकि विद्यालय में रहते हुए विद्यार्थी की सक्रियता पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होती। खेलकूद, संगीत, भाषण, वाद-विवाद जैसी अनेक रचनात्मक गतिविधियों में भी शरीक होता है। उनका पाठ्यक्रम से सीधे-सीधे संबंध भले ही ना हो पर यह विद्यार्थी के सीखने-समझने की प्रक्रिया का हिस्सा होती है। इसलिए इस बात की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है कि विद्यार्थी का समग्र मूल्यांकन होना चाहिए। लिखित और प्रायोगिक परीक्षा के आधार पर सिर्फ पाठगत ज्ञान और बोध को जांचा-परखा जा सकता है। प्रो० यशपाल भी विद्यार्थी के समग्र मूल्यांकन के पक्षधर रहे हैं। एनसीईआर की नई पाठ्यचर्चा की रूपरेखा तैयार करने के लिए अध्यक्षता में सीमिति का गठन किया गया तभी उन्होंने सतत और व्यापक मूल्यांकन की पद्धति अपनाने का सुझाव दिया था। अब यह विद्यालयों की जिम्मेदारी होगी कि वे विद्यार्थियों की शैक्षिक योगिता के साथ ही उनकी दूसरी गतिविधियों को भी आँकें। इसके लिए सौ में से बीस अंक निर्धारित किए गए हैं। इन्हें विद्यार्थी के वार्षिक और बोर्ड परीक्षाओं में प्राप्त अंकों में जोड़ा जाएगा। इस पद्धति के लागू होने से जहां विद्यार्थियों में पाठ्यक्रम से अलग स्कूली गतिविधियों में हिस्सा लेने का उत्साह बढ़ेगा। वहीं अध्यापक भी इनके प्रति अधिक जिम्मेदारी महसूस करेंगे।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

(क) विद्यालयों में सतत और व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया लागू करने का सरकारी मकसद क्या था?

(i) पाठ्यपुस्तकों का बोझ कम करना

(ii) परीक्षा का तनाव कम करना

(iii) उपयुक्त दोनों

(iv) बच्चों तथा शिक्षकों को आराम देना

(ख) सतत और व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया बनाने का प्रस्ताव किसका था?

(i) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का

(ii) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् का

(iii) शिक्षा मंत्रालय का

(iv) विद्यालय शिक्षक संघ का

(ग) एनसीईआरटी की नई पाठ्यचर्चा तैयार करने के लिए गठित आयोग का अध्यक्ष कौन था?

(i) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव

(ii) शिक्षा मंत्री कपिल सिब्बल

(iii) शिक्षाविद् प्रो० यशपाल

(iv) डॉ० नामवर सिंह

(घ) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की पद्धति लागू होने से पहले विद्यार्थियों के मूल्यांकन का क्या आधार था?

(i) लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा

(ii) साक्षात्कार

(iii) साक्षात्कार एवं लिखित परीक्षा

(iv) उपरोक्त सभी

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक निम्नलिखित में से कौन-सा होगा?

(i) मूल्यांकन का दायरा

(ii) मूल्यांकन पद्धति

(iii) मूल्यांकन का सच

(iv) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन पद्धति

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।

हरी हरी-वह घासउगती है

फसलों को लहलाती है

फूलों में भरती रंग

पेड़ों को पाल पोस कर-ऊँचाकरती

पत्ते-पत्ते में रहे जिंदा हरापन

अपनी देह को खाद बनाती है

धरती इसलिए मां कहलाती है ।

पानी से तर है सब

नदियां, पोखर, झरने और समुंदर

ज्वालामुखी हजारों फिर भी

सोते धरती के अंदर

जैसा सूरज तपता आसमान में

धरती के भीतर भी दहकता है

गोद में लेकिन सबको

साथ सुलाती है
धरती इसलिए माँ कहलाती है ।
आग पानी को सिखाती साथ रहना ।
हर बीज सीखताइस तरह उगना
एक साथ फसलें उगाकर
सबको खिलाती है
दूसरे हाथ से सृजन का
सह-अस्तित्व का
एकता का पाठ पढ़ाती है
धरती इसलिए इसलिए माँ कहलाती है ।

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें ।

(क) कवि ने धरती को माँ कहा है, क्योंकि

- (i) संसार के प्राणियों को सुख देती है
- (ii) सब के पोषण के लिए स्वयं कष्ट सहती है
- (iii) वृक्षों का पोषण कर उन्हें बड़ा बनाती है
- (iv) उपर्युक्त सभी

(ख) धरती कामाँ की तरह महत्वपूर्ण कार्य क्या है?

- (i) नदियों, झरनों आदि को अपनी कोख में धारण करना
- (ii) अपने भीतर सूर्य की तपन को झेलना
- (iii) अपने में ज्वालामुखी को आश्रय देना
- (iv) सभी को एक साथ समान भाव से गोद में सुलाना

(ग) धरती माँ किसका पाठ पढ़ाती है?

- (i) खेती करने का
- (ii) उन्नति करने का
- (iii) रचनात्मक कार्य करने का
- (iv) सह-अस्तित्व और एकता का

(घ) 'आग पानी को सिखाती है साथ रहना' का क्या आशय है?

- (i) विरोध भूलकर प्रेमभाव से रहना
- (ii) अच्छे और बुरे का भेद समझना
- (iii) विरोध में भी बीज की तरह उगना
- (iv) क्रोध और शांति के महत्व की जानकारी देना

(ङ) 'देह' का पर्यावाची नहीं है

- (i) काया
 - (ii) तन
 - (iii) गोत्र
 - (iv) गात्र
-

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।

सिंहीकी गोद से छीनता है शिशु कौन ?

मौन भी क्या रहती वह रहते प्राण ?

रे अजान

एक मेषमाता ही

रहती है निर्निमेष-

दुर्बल वह

छिनती संतान जब

जन्म पर अपने अभिशप्त

तप्त आंसू बहाती है ।

योग्यजन जीता है,

पश्चिम की उक्ति नहीं

गीता है, गीता है,

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें ।

(क) कवि ने किस शैली के प्रयोग से ओज की सृष्टि की है ?

(i) विचारात्मक

(ii) भावनात्मक

(iii) प्रश्नात्मक

(iv) व्यंग्यात्मक

(ख) अपनी गोद से बच्चा छीने जाने पर कौन मौन नहीं रहती ?

(i) बकरी

(ii) भेड़

(iii) ऊँटनी

(iv) शेरनी

(ग) मेष माता संतान छिनने की अवस्था में क्या करती है ?

(i) आँसू बहाती है

(ii) हमला करती है

(iii) भाग जाती है

(iv) अपना बलिदान देती है

(घ) किस प्रकार का प्राणी ही इस संसार में जीने की क्षमता रखता है ?

(i) योग्य

(ii) नम्र

(iii) अमीर

(iv) शिक्षित

(ङ) अपनी रक्षा करने का पाठ हमें कौन-सी रचना समझाती है ?

(i) वेद

- (ii) पुराण
- (iii) रामायण
- (iv) गीता

खण्ड - ख

(व्याकरण)

5. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त मूल शब्द लिखें।

- (क) निराहारी।
- (ख) सांप्रदायिकता
- (ग) अप्रसन्नता ।
- (घ) अपनापन ।

6. निम्नलिखित शब्दों के लिए उचित विग्रह लिखें।

- (क) तिरंगा
- (ख) कमलनयन
- (ग) दशानन
- (घ) धर्माधर्म

7. निम्नलिखित के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए –

- (क) उपासना तुम अभी नीचे जाओ । वाक्य किस वाक्य भेद से संबंधित है?
- (ख) निखिल तुम क्या कर रहे हो? वाक्य किस वाक्य भेद से संबंधित है ।
- (ग) लता मंगेशकर गीत गाती है । वाक्य किस वाक्य भेद से संबंधित है ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार दीजिए ।

- (क) 'अंबर में तारे मनो मोती अनगन है ।' काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
- (ख) 'देख लो साकेत नगरी है यही।' स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही । काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
- (ग) देखो दो-दो मेघ बरसते हैं प्यासी की प्यासी । काव्य में कौन-सा अलंकार है?
- (घ) 'मेघ आए बड़े बन-ठन के संवर के' काव्यपंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

दूसरे दिन झूरी का सालाफिर आया और बैलों को ले चला । अबकी उसने दोनों को गाड़ी में जोता । दो-चार बार मोती ने गाड़ी को सड़क की खाई में गिराना चाहा; पर हीरा ने सँभाल लिया । वह ज्यादा सहनशील था । संध्या-समय घर पहुँचकर उसने दोनों को मोटी रस्सियों से बांधा और कल की शरारत का मजा चखाया । फिर वही सूखा भूसा डाल दिया । अपने दोनों बैलों को खली, चूनी सब कुछ दी । दोनों बैलों का ऐसा अपमान कभी ना हुआ था । झूरी इन्हें फूल की छड़ी से भी न छूता था । उसकी टिटकार पर दोनों उड़ने लगते थे । यहाँ मार पड़ी। आहत-सम्मान की व्यथा तो थी ही, उस पर मिला सूखा !

- (क) दूसरे दिन झूरी का साला फिरक्यों आया? घर पहुँचकर झूरी के सालेने बैलों के साथ कैसा व्यवहार किया?
- (ख) गद्यांश में ज्यादा सहनशील किसे बताया गया है? तथा क्यों?

(ग) 'टिटकार' से क्या अभिप्राय है?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

(क) किस घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

(ख) लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से रोका, परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?

(ग) संस्कृति की कौन-कौन सी नियंत्रण शक्तियाँ क्षीण होती जा रही हैं।

(घ) बैलों की आँखों में विद्रोहमय स्नेह क्यों झलक रहा था?

(ङ) पाठ के आधार पर तिब्बती भिक्षु नम्से का चरित्र चित्रण कीजिए।

11. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

थल-थल में बसता है शिव ही,

भेद न कर क्या हिन्दू-मुसलमाँ।

ग्यानी है तो स्वयं को जान,

वही है साहिब से पहचान ॥

(क) कवयित्री ने उपर्युक्त काव्यांश में 'शिव' किसे कहा है? उनका वास कहाँ बताया गया है?

(ख) कवयित्री ने काव्यांश के माध्यम से क्या संदेश दिया है?

(ग) स्वयं को जानने से ईश्वर को कैसे पहचाना जा सकता है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर- संक्षेप में लिखिए:

(क) कबीर ने संसार को स्वान क्यों कहा है?

(ख) कवयित्री ललदयद की 'वाख' कविता में वर्णित प्रभु प्राप्ति में बाधाओं को अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) एक लकुटी और कामरिया पर कवि रसखान सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है?

(घ) 'कैदी और कोयल' कविता में कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?

(ङ) अरहर और सनई के खेत कवि को कैसे दिखाई देते हैं?

13. मुसहर जाती के लोगो को बाढ़ राहत सामग्री भी खुशी न दे सकेगी? लेखक की यह सोच क्यों बनी? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-घ

('लेखन')

14. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए -

प्राकृतिक आपदाएँ

संकेत बिंदु:

- कौन - कौन सी
- बचाव
- आपदा प्रबंधन

15. अपने प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए जिसमें फीस में छूट देने के लिए निवेदन हो।

16. प्रत्येक साल बाढ़ से हजारों लोग मरते हैं तथा करोड़ों का नुकसान होता है। बाढ़ की विभीषिका पर एक रिपोर्ट तैयार करें।
